इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप और इनोवेशन को लगेंगे पंख

लखनऊ। केंद्रीय बजट पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी प्रतिक्रिया दी है। कहा कि इस बजट से युवाओं के उद्यमों और नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा। इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप और इनोवेशन को पंख लगेंगे। हालांकि, विद्यार्थियों ने बजट में शोधार्थियों के लिए भी कोई प्रावधान न होने पर निराशा जताई है। पेश है छात्रों की बजट पर प्रतिक्रिया। (संवाद)

बजट में 10 हजार करोड़ रुपये फंड बनाए जाने पर युवाओं में खुशी

- बजट युवाओं के लिए सकारात्मक पहल लाने वाला है। खासकर स्टार्टअप, शिक्षा, रिसर्च और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में। 10,000 करोड़ के स्टार्टअप फंड और तीन एआई एक्सीलेंस सेंटर से टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा। - **प्रवी मिश्रा,** शोध छात्रा, भौतिक खगोल विज्ञान लविवि

- बजट में रक्षा, मध्यवर्ग, विज्ञान, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की गई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नैनो तकनीक, एआई और स्पेस रिसर्च में निवेश होगा। यह बजट समग्र विकास और नवाचार को बढ़ाने वाला है। - **खुशबु झा,** शोध छात्रा

केंद्रीय बजट में रिसर्च फील्ड से संबंधित बजट का प्रावधान करना चाहिए। यूजीसी से विद्यार्थियों को मिल रही फेलोशिप पर विशेष ध्यान देना चाहिए, जो एक वर्ष बीतने के बाद बाद प्राप्त होती है। इससे शोधकर्ताओं को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। - **सात्विक मिश्र,** शोध छात्र, वाणिज्य विभाग

- इंजीनियरों के लिए, डॉक्टर के लिए, किसानों के लिए, आम आदमी के लिए व अनेक प्रकार की जन सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया गया है। यह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करेगा। - **सिद्धार्थ चतुर्वेदी,** एमए राजनीति शास्त्र विभाग, लविवि

- देश में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्रयोगशालाओं को आधुनिक और तकनीकी से लैस करने की आवश्यकता है, जिससे शोधकार्य गुणवत्ता वाले हो सकें। - **राज शुक्ल,** शोध छात्र, भौतिक विज्ञान विभाग

आईटीआई और पॉलीटेक्निक की बदलेगी तस्वीर

लखनऊ। केंद्रीय बजट से राजधानी के आईटीआई और पॉलीटेक्निक संस्थानों की प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद जगी है। यहां टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, एचसीएल और रॉयल इनफिनिटी जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश से विद्यार्थियों को बेहतर स्किल मिलेगी, रोजगार के द्वार भी खुलेंगे। एआई और कौशलपरक शिक्षा से स्टार्टअप व स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। राजधानी में पांच राजकीय आईटीआई, जबकि दो राजकीय पॉलीटेक्निक संचालित हैं। यहां प्रयोगशालाओं को आधुनिक तकनीकी के आधार पर विकसित करने की तैयारी है। विभाग के अनुसार, अलीगंज राजकीय आईटीआई में स्थापित टाटा मोटर्स और मारुति कंपनी की प्रयोगशाला का विस्तार होगा। एचसीएल और रॉयल इनफिनिटी के सहयोग से परिसर में नई प्रयोगशालाएं भी बनाई जाएंगी। इसी तरह राजकीय पॉलीटेक्निक में मारुति सुजुकी कंपनी केमिकल लैब की स्थापना करेगी। राज्य व्यावसायिक विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल वर्मा ने बताया कि प्रयोगशाला के रूप में कंपनियों के निवेश से विद्यार्थियों को बेहतर स्किल मिल सकेगी। पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य संजीव सिंह ने बताया कि सभी सेक्टरों को एआई तकनीकी से जोड़ा जा रहा है। (संवाद)

बजट से दोनों संस्थानों की प्रयोगशालाओं की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद